2019 में विधानसभा टिकट कटने से लेकर बिहार प्रभारी बनाए जाने तक

महाराष्ट्र के ओबीसी नेता विनोद तावड़े पर बीजेपी ने क्यों जताया भरोसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए बीजेपी ने अपने महासचिव विनोद तावड़े को बिहार का प्रभार सौंपा है। सहयोगी नीतीश कुमार के एनडीए छोड़ राजद के साथ सरकार बनाने के बाद बीजेपी को राज्य की सत्ता से हाथ धोना पड़ा।

ऐसे में राज्य के हालात और तावड़े पर भरोसा दिखाना ये दर्शाता है कि केंद्रीय नेतृत्व ने परिणाम देने और जटिल राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की उनकी क्षमताओं को पहचाना है। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता, जिन्हें पिछले नवंबर में महासचिव के रूप में पदोन्नत किया गया था, इससे पहले हरियाणा के प्रभारी थे। केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें हाल ही में हुए राष्ट्रपति चुनावों में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी थी, जहां तावड़े मुख्य समन्वयक थे और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, एनडीए उम्मीदवार के लिए समर्थन हासिल करने के लिए व्यापक रूप से देश का दौरा किया था।

तावड़े ने कहा कि मैं पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा जी का आभारी हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में, हम सभी एक टीम के रूप में काम करते हैं। विनोद तावड़े महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेता हैं। ओबीसी समुदाय से आने वाले विनोद तावड़े महाराष्ट्र में देवेन्द्र फडणवीस की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री भी विनोद तावड़े रह चुके हैं।

बता दें कि 2019 में तावड़े को मुंबई के बोरीवली में उनके निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा टिकट से वंचित कर दिया गया और पार्टी ने इसके बजाय सुनील राणे को टिकट दिया। इस फैसले से तावड़े को गहरा धक्का लगा था, जो उस समय बोरीवली का प्रतिनिधित्व करने वाले सीटिंग विधायक थे। उनके धैर्य का परिणाम तब मिला जब उन्हें 2020 में राष्ट्रीय सचिव बनाया गया और उन्हें हरियाणा का प्रभार सौंपा गया। एक साल बाद, 2021 में बीजेपी चीफ जेपी नड्डा ने तावड़े को महासचिव बना दिया।

आगे की राह कठिन

2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बिहार प्रभारी के रूप में तावड़े के सामने एक कठिन काम है। केंद्रीय नेतृत्व ने 545 सीटों में से 400 से अधिक सीटों का अत्यधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। बिहार में कुल लोकसभा सीटें 40 हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 17, जनता दल (यूनाइटेड) ने 16, लोक जनशक्ति पार्टी ने 6 और कांग्रेस ने 1 सीटें जीती थीं। पिछले महीने बिहार के मुख्यमंत्री और जद (यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बीजेपी से अपना गठबंधन तोड़ लिया। राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तित घटनाक्रम से संयोजन भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। तावड़े को रणनीति बनानी होगी कि पार्टी अपने चुनावी आधार को कैसे बनाए रख सकती है और इसे और बढ़ा सकती है।

आरएसएस की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक

36 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी ले रहे हैं हिस्सा

रायपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक प्रात: जैनम् मानस भवन, रायपुर में प्रारंभ हुई। बैठक का शुभारंभ सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन करके किया। बैठक में 36 संगठनों के प्रमुख अखिल भारतीय पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। बैठक में वर्तमान राष्ट्रीय व सामाजिक परिदृश्य, शिक्षा, सेवा, आर्थिक व राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। गौसेवा, ग्राम विकास, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता आदि विषयों को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा होगी। संगठन के विस्तार और विशेष प्रयोगों की जानकारी भी साझा की जाएगी।

बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, डॉ. मनमोहन वैद्य, अरूण कुमार, मुकुंदा जी और रामदत्त जी चक्रधर, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य भय्याजी जोशी, सुरेश सोनी, वी भाग्गया, विद्या भारती के महामंत्री गोविन्द महंती, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री आशीष चौहान, महामंत्री निधि त्रिपाठी, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका वंदनीया शांतक्का, कार्यवाहिका अन्नदानम सीताक्का, सेवा भारती की महामंत्री रेणु पाठक, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, महामंत्री संगठन बी.एल. संतोष, भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या, संगठन मंत्री बी सुरेन्द्रन, भारतीय किसान संघ के संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष रामचंद्र खराड़ी, संस्कृत भारती के संगठन मंत्री दिनेश कामत सहित 240 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित हैं।

पहले बने भाजपा के हरियाणा प्रभारी, कुछ घंटे बाद बिप्लब देब को राज्यसभा के लिए बनाया गया उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पद से अचानक इस्तीफा देने के चार महीने बाद, बिप्लब देब को शुक्रवार को भाजपा ने त्रिपुरा में राज्यसभा उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। हरियाणा के लिए पार्टी प्रभारी घोषित किए जाने के कुछ घंटे बाद यह घोषणा की गई। बता दें कि राज्यसभा सांसद माणिक साहा के देब की जगह सीएम बनने के बाद राज्य की एकमात्र उच्च सदन की सीट खाली हो गई थी। इसके साथ ही बिप्लब देब को भाजपा में एक संगठनात्मक भूमिका दी गई है और हरियाणा में पार्टी मामलों का प्रभारी बनाया गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और कार्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि पार्टी के केंद्रीय चुनाव निकाय ने देब को 22 सितंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 25 साल बाद त्रिपुरा में वामपंथियों को सत्ता से हटा दिया। जिसके बाद मुख्यमंत्री के रूप में विप्लेब देव को चुना गया। लेकिन मई के महीने में ही त्रिपुरा के सीएम बिप्लब कुमार देव को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया। भाजपा कभी भी स्पष्ट कारण के साथ सामने नहीं आई कि उन्हें क्यों पद छोड़ना पड़ा, सिवाय इसके कि वह संगठनात्मक गतिविधियों में वांछित थे और यह आलाकमान का निर्णय था। जबकि देब ने सार्वजनिक रूप से यह कहते हुए नजर आए कि पार्टी सबसे ऊपर है। मैं पार्टी के फैसले का सम्मान करता हूं और मेरा मार्गदर्शन करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देता हूं।

बाद के कुछ मौकों को छोड़ दें तो में बिप्लब कुमार देव शांत हो गए और भाजपा की गतिविधियों से खुद को काफी हद तक अलग कर लिया। इतना ही नहीं उन्होंने सीएम के रूप में अपने कब्जे वाले बंगले को अभी तक खाली नहीं किया है, जिससे साहा को दूसरे घर में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। त्रिपुरा में राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव 22 सितंबर को होगा। डॉ माणिक साहा के त्रिपुरा के मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्ति के बाद इस साल जुलाई में इस्तीफा देने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। देब ने नामांकन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने कहा, मैं त्रिपुरा और उसके लोगों के विकास और कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस बीच, त्रिपुरा में वाम मोर्चा ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए पूर्व वित्त मंत्री और विधायक भानुलाल साहा को अपना उम्मीदवार बनाया है।

शादी के बाद स्टेशन से दुल्हन फरार

सीकर (राज.) (एजेंसी)। ये नकली दुल्हन का एक नया किस्सा है। रीवा में शादी करने आया परिवार डेढ़ लाख रुपए की ठगी का शिकार हो गया। इस परिवार का कहना है कि रीवा रेलवे स्टेशन से दुल्हन उन्हें चकमा देकर फरार हो गई। अब स्थिति यह है कि मंदिर में शादी कराने के बाद लड़की के माता-पिता और पंडित और मध्यस्थ भी नहीं मिल रहे। सबके मोबाइल भी बंद मिल रहे।

लड़के वालों ने बताया, हमें सिर्फ लड़की का नाम और फोन नंबर पता है। शादी किस मंदिर में हुई यह भी नहीं पता है। लड़की का नाम शिवानी है। उसकी मां असली थी। क्योंकि, दोनों के चेहरे एक जैसे थे। बाकी सब फर्जी समझ में आ रहे थे। फिलहाल चोरहटा पुलिस ने शिकायती आवेदन लेकर संबंधित थानों में मंदिर व लड़की की फोटो भिजवाई है। जिससे कि घटनास्थल का पता कर स्नढ्ढक्र की जा सके।

राजस्थान की महिला के भाई कैलाश चन्द्र वर्मा की शादी नहीं हो रही थी। 6 महीने पहले महिला की दोस्ती रीवा के युवक से हुई। वह बहना-बहना कहकर महिला के घर वालों से भी घुलमिल गया। एक दिन महिला ने कहा कि सब कुछ अच्छा है, लेकिन मेरे भाई की शादी नहीं हो रही। अगर आपके रीवा तरफ कोई लड़की हो तो शादी करा दो। यहीं से युवक ने ठगी का प्लान बनाया।

शादी करना मंदिर में तय हुआ

युवक ने महिला को 5 लड़कियों को फोटो दिखाई। जब एक लड़की को महिला ने पसंद कर लिया तो युवक ने कहा कि लड़की गरीब परिवार की है। लड़की का नाम शिवानी बताया। उसने कहा, डेढ़ लाख रुपए लगेंगे। महिला राजी हो गई। उसने अपने भाई और परिवार को पूरी बात बताई। 7 सितंबर को शादी की तारीख तय हो गई। राजस्थानी परिवार ने कहा कि शादी लड़की के घर से हो, लेकिन मध्यस्थ ने कहा कि लड़की के परिवार वाले शादी के खिलाफ है। ऐसे में मंदिर में शादी हो जाएगी। आप लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

रेलवे स्टेशन से दुल्हन भागी

शादी से पहले बिचौलिए ने डेढ़ लाख रुपए की रकम नकद ली और कहा कि लड़की के घरवाले भी शादी के लिए तैयार हो गए हैं। इसके बाद लड़की के माता-पिता पंडित लेकर मंदिर में पहुंचे। दोपहर में शादी संपन्न होने के बाद विदाई हो गई। शाम को एक ही ऑटो में दूल्हा, दुल्हन, दूल्हे का जीजा और दीदी अपने साथ दुल्हन की मां को लेकर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए। दुल्हन की मां बस स्टैंड पर उतर गई। इसके बाद दुल्हन रेलवे स्टेशन से चकमा देकर भाग गई। पीड़ित परिवार घटना के बाद जीआरपी थाने रिपार्ट दर्ज कराने पहुंचे। इसके बाद 8 सितंबर को चोरहटा थाने गए। लेकिन घटनास्थल गुढ क्षेत्र और गोविंदगढ़ प्रतीत होने पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। साइबर सेल से मदद ली जा रही है। फिलहाल इस मामले की कहीं रिपोर्ट नहीं दर्ज हुई है।

किस मंदिर में शादी ये भी नहीं पता

ठगी का शिकार परिवार 7 सितंबर की शाम दुल्हन की रिपार्ट दर्ज कराने चोरहटा थाने पहुंचा। थाने में बताया कि हम राजस्थान के सीकर जिले के रहने वाले है। 7 सितंबर को कैलाश चन्द्र वर्मा की शादी कराने रीवा आए थे। हिन्दू रीति रिवाज से रीवा जिले में नहर के किनारे एक मंदिर में शादी हुई। लेकिन, रेलवे स्टेशन से दुल्हन फरार हो गई। साथ ही पीड़ित परिवार ने ये भी बताया कि वो मंदिर कहां है इस बात की जानकारी नहीं है।

2023 राजस्थान चुनाव पर नजर

सीएम गहलोत के गढ़ में शाह का ओबीसी मंत्र पर मंथन

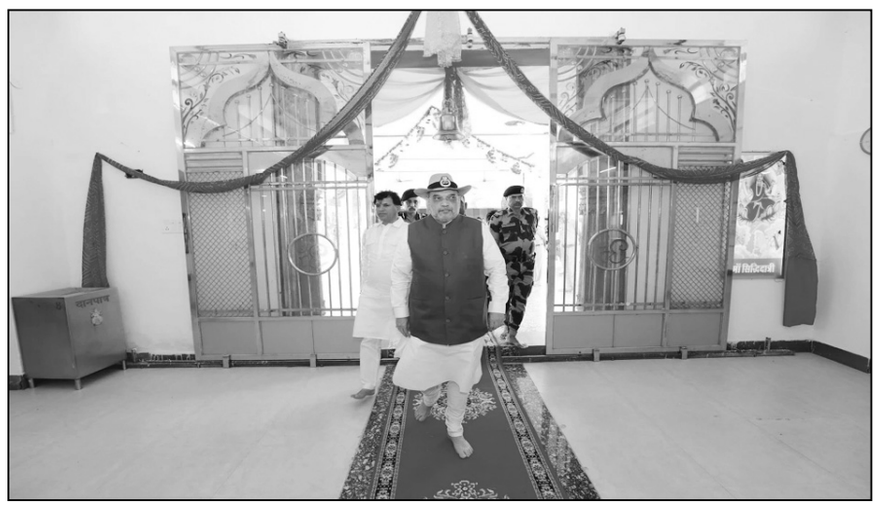

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कांग्रेस शासित राज्य में भाजपा के कैडर को उन्हें चुनावी मोड में लाने के लिए प्रदेश के दौरे पर हैं। आज उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जैसलमेर के तनोट राय माता मंदिर में पूजा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीमा पर्यटन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत श्री तनोट मंदिर कॉम्प्लेक्स परियोजना का शिलान्यास व भूमि पूजन किया। उसके बाद गृह मंत्री अमित शाह जोधपुर पहुंचे। गृह मंत्री जोधपुर में ओबीसी मोर्चे की राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक और बूथ अध्यक्ष संकल्प महासम्मेलन में हिस्सा लेंगे। गौरतलब है कि शाह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर में कांग्रेस को टक्कर देने की तैयारी में हैं। वो भाजपा ओबीसी मोर्चा कार्यसमिति के समापन सत्र को संबोधित करने वाले हैं, जिसके बाद एक महाबूथ बैठक होगी जिसमें 25,000 से अधिक बूथ कार्यकर्ता शामिल होंगे। शाह सबसे पहले एक होटल में पार्टी के ओबीसी मोर्चा के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। इसके बाद जोधपुर के दशहरा मैदान में बीजेपी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ जनसभा होगी। पार्टी बैठक के लिए पूरे संभाग से अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को जुटा रही है। अमित शाह शुक्रवार शाम राजस्थान के दो दिवसीय दौरे पर जैसलमेर पहुंचे। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने वायु सेना स्टेशन पर उनका स्वागत किया। गृह मंत्री ने दाबला (जैसलमेर) में दक्षिण सेक्टर मुख्यालय में बीएसएफ अधिकारियों के साथ बातचीत की और रात बीएसएफ अधिकारी संस्थान में बिताई। शनिवार की सुबह उन्होंने शाह तनोट माता मंदिर जाएंगे और पूजा-अर्चना करने के बाद 11 बजे तनोट परिसर में सीमा पर्यटन विकास कार्य का शिलान्यास भी किया। इसके बाद वह जोधपुर के लिए रवाना हो गए। पार्टी अधिकारियों ने कहा कि शाह का भव्य स्वागत किया गया और मोटरसाइकिल पर भगवा पगड़ी में पार्टी के 1500 से अधिक कार्यकर्ता उन्हें हवाई अड्डे से रैली के रूप में बैठक स्थल तक ले गए।

दो गज की दूरी-मास्क है जरूरी